

Loading SCS GreenGlass provided data into Sierra Create Lists

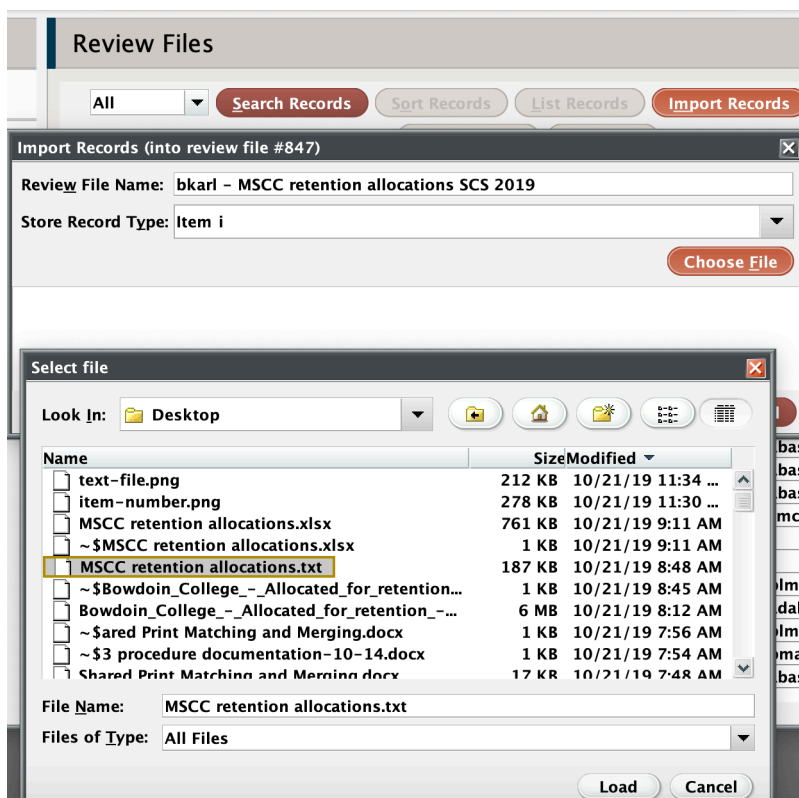
1. Open spreadsheet of SCS data
2. Locate column of item record numbers - column BD labeled "Item Control Number"
 - a. Use text format for this column
 - b. Select the entire spreadsheet. Sort the Spreadsheet by this column. Look at the top and bottom of the column to identify any rows without this data. Troubleshoot these titles.
 - c. Copy item control number column.

| BD1 | BD2 | BD3 | BD4 | BD5 | BD6 | BD7 | BD8 | BD9 | BD10 | BD11 | BD12 | BD13 | BD14 | BD15 | BD16 | BD17 | BD18 | BD19 | BD20 | BD21 | BD22 | BD23 | BD24 | BD25 | BD26 | BD27 | BD28 | BD29 | BD30 | BD31 | BD32 | BD33 | BD34 | BD35 | BD36 | BD37 | BD38 | BD39 | BD40 | BD41 | BD42 | BD43 | BD44 | BD45 | BD46 | BD47 | BD48 | BD49 | BD50 | BD51 | BD52 | BD53 | BD54 | BD55 | BD56 | BD57 | BD58 | BD59 | BD60 | BD61 | BD62 | BD63 | BD64 | BD65 | BD66 | BD67 | BD68 | BD69 | BD70 | BD71 | BD72 | BD73 | BD74 | BD75 | BD76 | BD77 | BD78 | BD79 | BD80 | BD81 | BD82 | BD83 | BD84 | BD85 | BD86 | BD87 | BD88 | BD89 | BD90 | BD91 | BD92 | BD93 | BD94 | BD95 | BD96 | BD97 | BD98 | BD99 | BD100 | BD101 | BD102 | BD103 | BD104 | BD105 | BD106 | BD107 | BD108 | BD109 | BD110 | BD111 | BD112 | BD113 | BD114 | BD115 | BD116 | BD117 | BD118 | BD119 | BD120 | BD121 | BD122 | BD123 | BD124 | BD125 | BD126 | BD127 | BD128 | BD129 | BD130 | BD131 | BD132 | BD133 | BD134 | BD135 | BD136 | BD137 | BD138 | BD139 | BD140 | BD141 | BD142 | BD143 | BD144 | BD145 | BD146 | BD147 | BD148 | BD149 | BD150 | BD151 | BD152 | BD153 | BD154 | BD155 | BD156 | BD157 | BD158 | BD159 | BD160 | BD161 | BD162 | BD163 | BD164 | BD165 | BD166 | BD167 | BD168 | BD169 | BD170 | BD171 | BD172 | BD173 | BD174 | BD175 | BD176 | BD177 | BD178 | BD179 | BD180 | BD181 | BD182 | BD183 | BD184 | BD185 | BD186 | BD187 | BD188 | BD189 | BD190 | BD191 | BD192 | BD193 | BD194 | BD195 | BD196 | BD197 | BD198 | BD199 | BD200 | BD201 | BD202 | BD203 | BD204 | BD205 | BD206 | BD207 | BD208 | BD209 | BD210 | BD211 | BD212 | BD213 | BD214 | BD215 | BD216 | BD217 | BD218 | BD219 | BD220 | BD221 | BD222 | BD223 | BD224 | BD225 | BD226 | BD227 | BD228 | BD229 | BD230 | BD231 | BD232 | BD233 | BD234 | BD235 | BD236 | BD237 | BD238 | BD239 | BD240 | BD241 | BD242 | BD243 | BD244 | BD245 | BD246 | BD247 | BD248 | BD249 | BD250 | BD251 | BD252 | BD253 | BD254 | BD255 | BD256 | BD257 | BD258 | BD259 | BD260 | BD261 | BD262 | BD263 | BD264 | BD265 | BD266 | BD267 | BD268 | BD269 | BD270 | BD271 | BD272 | BD273 | BD274 | BD275 | BD276 | BD277 | BD278 | BD279 | BD280 | BD281 | BD282 | BD283 | BD284 | BD285 | BD286 | BD287 | BD288 | BD289 | BD290 | BD291 | BD292 | BD293 | BD294 | BD295 | BD296 | BD297 | BD298 | BD299 | BD300 | BD301 | BD302 | BD303 | BD304 | BD305 | BD306 | BD307 | BD308 | BD309 | BD310 | BD311 | BD312 | BD313 | BD314 | BD315 | BD316 | BD317 | BD318 | BD319 | BD320 | BD321 | BD322 | BD323 | BD324 | BD325 | BD326 | BD327 | BD328 | BD329 | BD330 | BD331 | BD332 | BD333 | BD334 | BD335 | BD336 | BD337 | BD338 | BD339 | BD340 | BD341 | BD342 | BD343 | BD344 | BD345 | BD346 | BD347 | BD348 | BD349 | BD350 | BD351 | BD352 | BD353 | BD354 | BD355 | BD356 | BD357 | BD358 | BD359 | BD360 | BD361 | BD362 | BD363 | BD364 | BD365 | BD366 | BD367 | BD368 | BD369 | BD370 | BD371 | BD372 | BD373 | BD374 | BD375 | BD376 | BD377 | BD378 | BD379 | BD380 | BD381 | BD382 | BD383 | BD384 | BD385 | BD386 | BD387 | BD388 | BD389 | BD390 | BD391 | BD392 | BD393 | BD394 | BD395 | BD396 | BD397 | BD398 | BD399 | BD400 | BD401 | BD402 | BD403 | BD404 | BD405 | BD406 | BD407 | BD408 | BD409 | BD410 | BD411 | BD412 | BD413 | BD414 | BD415 | BD416 | BD417 | BD418 | BD419 | BD420 | BD421 | BD422 | BD423 | BD424 | BD425 | BD426 | BD427 | BD428 | BD429 | BD430 | BD431 | BD432 | BD433 | BD434 | BD435 | BD436 | BD437 | BD438 | BD439 | BD440 | BD441 | BD442 | BD443 | BD444 | BD445 | BD446 | BD447 | BD448 | BD449 | BD450 | BD451 | BD452 | BD453 | BD454 | BD455 | BD456 | BD457 | BD458 | BD459 | BD460 | BD461 | BD462 | BD463 | BD464 | BD465 | BD466 | BD467 | BD468 | BD469 | BD470 | BD471 | BD472 | BD473 | BD474 | BD475 | BD476 | BD477 | BD478 | BD479 | BD480 | BD481 | BD482 | BD483 | BD484 | BD485 | BD486 | BD487 | BD488 | BD489 | BD490 | BD491 | BD492 | BD493 | BD494 | BD495 | BD496 | BD497 | BD498 | BD499 | BD500 | BD501 | BD502 | BD503 | BD504 | BD505 | BD506 | BD507 | BD508 | BD509 | BD510 | BD511 | BD512 | BD513 | BD514 | BD515 | BD516 | BD517 | BD518 | BD519 | BD520 | BD521 | BD522 | BD523 | BD524 | BD525 | BD526 | BD527 | BD528 | BD529 | BD530 | BD531 | BD532 | BD533 | BD534 | BD535 | BD536 | BD537 | BD538 | BD539 | BD540 | BD541 | BD542 | BD543 | BD544 | BD545 | BD546 | BD547 | BD548 | BD549 | BD550 | BD551 | BD552 | BD553 | BD554 | BD555 | BD556 | BD557 | BD558 | BD559 | BD560 | BD561 | BD562 | BD563 | BD564 | BD565 | BD566 | BD567 | BD568 | BD569 | BD570 | BD571 | BD572 | BD573 | BD574 | BD575 | BD576 | BD577 | BD578 | BD579 | BD580 | BD581 | BD582 | BD583 | BD584 | BD585 | BD586 | BD587 | BD588 | BD589 | BD590 | BD591 | BD592 | BD593 | BD594 | BD595 | BD596 | BD597 | BD598 | BD599 | BD600 | BD601 | BD602 | BD603 | BD604 | BD605 | BD606 | BD607 | BD608 | BD609 | BD610 | BD611 | BD612 | BD613 | BD614 | BD615 | BD616 | BD617 | BD618 | BD619 | BD620 | BD621 | BD622 | BD623 | BD624 | BD625 | BD626 | BD627 | BD628 | BD629 | BD630 | BD631 | BD632 | BD633 | BD634 | BD635 | BD636 | BD637 | BD638 | BD639 | BD640 | BD641 | BD642 | BD643 | BD644 | BD645 | BD646 | BD647 | BD648 | BD649 | BD650 | BD651 | BD652 | BD653 | BD654 | BD655 | BD656 | BD657 | BD658 | BD659 | BD660 | BD661 | BD662 | BD663 | BD664 | BD665 | BD666 | BD667 | BD668 | BD669 | BD670 | BD671 | BD672 | BD673 | BD674 | BD675 | BD676 | BD677 | BD678 | BD679 | BD680 | BD681 | BD682 | BD683 | BD684 | BD685 | BD686 | BD687 | BD688 | BD689 | BD690 | BD691 | BD692 | BD693 | BD694 | BD695 | BD696 | BD697 | BD698 | BD699 | BD700 | BD701 | BD702 | BD703 | BD704 | BD705 | BD706 | BD707 | BD708 | BD709 | BD710 | BD711 | BD712 | BD713 | BD714 | BD715 | BD716 | BD717 | BD718 | BD719 | BD720 | BD721 | BD722 | BD723 | BD724 | BD725 | BD726 | BD727 | BD728 | BD729 | BD730 | BD731 | BD732 | BD733 | BD734 | BD735 | BD736 | BD737 | BD738 | BD739 | BD740 | BD741 | BD742 | BD743 | BD744 | BD745 | BD746 | BD747 | BD748 | BD749 | BD750 | BD751 | BD752 | BD753 | BD754 | BD755 | BD756 | BD757 | BD758 | BD759 | BD760 | BD761 | BD762 | BD763 | BD764 | BD765 | BD766 | BD767 | BD768 | BD769 | BD770 | BD771 | BD772 | BD773 | BD774 | BD775 | BD776 | BD777 | BD778 | BD779 | BD780 | BD781 | BD782 | BD783 | BD784 | BD785 | BD786 | BD787 | BD788 | BD789 | BD790 | BD791 | BD792 | BD793 | BD794 | BD795 | BD796 | BD797 | BD798 | BD799 | BD800 | BD801 | BD802 | BD803 | BD804 | BD805 | BD806 | BD807 | BD808 | BD809 | BD810 | BD811 | BD812 | BD813 | BD814 | BD815 | BD816 | BD817 | BD818 | BD819 | BD820 | BD821 | BD822 | BD823 | BD824 | BD825 | BD826 | BD827 | BD828 | BD829 | BD830 | BD831 | BD832 | BD833 | BD834 | BD835 | BD836 | BD837 | BD838 | BD839 | BD840 | BD841 | BD842 | BD843 | BD844 | BD845 | BD846 | BD847 | BD848 | BD849 | BD850 | BD851 | BD852 | BD853 | BD854 | BD855 | BD856 | BD857 | BD858 | BD859 | BD860 | BD861 | BD862 | BD863 | BD864 | BD865 | BD866 | BD867 | BD868 | BD869 | BD870 | BD871 | BD872 | BD873 | BD874 | BD875 | BD876 | BD877 | BD878 | BD879 | BD880 | BD881 | BD882 | BD883 | BD884 | BD885 | BD886 | BD887 | BD888 | BD889 | BD890 | BD891 | BD892 | BD893 | BD894 | BD895 | BD896 | BD897 | BD898 | BD899 | BD900 | BD901 | BD902 | BD903 | BD904 | BD905 | BD906 | BD907 | BD908 | BD909 | BD910 | BD911 | BD912 | BD913 | BD914 | BD915 | BD916 | BD917 | BD918 | BD919 | BD920 | BD921 | BD922 | BD923 | BD924 | BD925 | BD926 | BD927 | BD928 | BD929 | BD930 | BD931 | BD932 | BD933 | BD934 | BD935 | BD936 | BD937 | BD938 | BD939 | BD940 | BD941 | BD942 | BD943 | BD944 | BD945 | BD946 | BD947 | BD948 | BD949 | BD950 | BD951 | BD952 | BD953 | BD954 | BD955 | BD956 | BD957 | BD958 | BD959 | BD960 | BD961 | BD962 | BD963 | BD964 | BD965 | BD966 | BD967 | BD968 | BD969 | BD970 | BD971 | BD972 | BD973 | BD974 | BD975 | BD976 | BD977 | BD978 | BD979 | BD980 | BD981 | BD982 | BD983 | BD984 | BD985 | BD986 | BD987 | BD988 | BD989 | BD990 | BD991 | BD992 | BD993 | BD994 | BD995 | BD996 | BD997 | BD998 | BD999 | BD1000 | BD1001 | BD1002 | BD1003 | BD1004 | BD1005 | BD1006 | BD1007 | BD1008 | BD1009 | BD1010 | BD1011 | BD1012 | BD1013 | BD1014 | BD1015 | BD1016 | BD1017 | BD1018 | BD1019 | BD1020 | BD1021 | BD1022 | BD1023 | BD1024 | BD1025 | BD1026 | BD1027 | BD1028 | BD1029 | BD1030 | BD1031 | BD1032 | BD1033 | BD1034 | BD1035 | BD1036 | BD1037 | BD1038 | BD1039 | BD1040 | BD1041 | BD1042 | BD1043 | BD1044 | BD1045 | BD1046 | BD1047 | BD1048 | BD1049 | BD1050 | BD1051 | BD1052 | BD1053 | BD1054 | BD1055 | BD1056 | BD1057 | BD1058 | BD1059 | BD1060 | BD1061 | BD1062 | BD1063 | BD1064 | BD1065 | BD1066 | BD1067 | BD1068 | BD1069 | BD1070 | BD1071 | BD1072 | BD1073 | BD1074 | BD1075 | BD1076 | BD1077 | BD1078 | BD1079 | BD1080 | BD1081 | BD1082 | BD1083 | BD1084 | BD1085 | BD1086 | BD1087 | BD1088 | BD1089 | BD1090 | BD1091 | BD1092 | BD1093 | BD1094 | BD1095 | BD1096 | BD1097 | BD1098 | BD1099 | BD1100 | BD1101 | BD1102 | BD1103 | BD1104 | BD1105 | BD1106 | BD1107 | BD1108 | BD1109 | BD1110 | BD1111 | BD1112 | BD1113 | BD1114 | BD1115 | BD1116 | BD1117 | BD1118 | BD1119 | BD1120 | BD1121 | BD1122 | BD1123 | BD1124 | BD1125 | BD1126 | BD1127 | BD1128 | BD1129 | BD1130 | BD1131 | BD1132 | BD1133 | BD1134 | BD1135 | BD1136 | BD1137 | BD1138 | BD1139 | BD1140 | BD1141 | BD1142 | BD1143 | BD1144 | BD1145 | BD1146 | BD1147 | BD1148 | BD1149 | BD1150 | BD1151 | BD1152 | BD1153 | BD1154 | BD1155 | BD1156 | BD1157 | BD1158 | BD1159 | BD1160 | BD1161 | BD1162 | BD1163 | BD1164 | BD1165 | BD1166 | BD1167 | BD1168 | BD1169 | BD1170 | BD1171 | BD1172 | BD1173 | BD1174 | BD1175 | BD1176 | BD1177 | BD1178 | BD1179 | BD1180 | BD1181 | BD1182 | BD1183 | BD1184 | BD1185 | BD1186 | BD1187 | BD1188 | BD1189 | BD1190 | BD1191 | BD1192 | BD1193 | BD1194 | BD1195 | BD1196 | BD1197 | BD1198 | BD1199 | BD1200 | BD1201 | BD1202 | BD1203 | BD1204 | BD1205 | BD1206 | BD1207 | BD1208 | BD1209 | BD1210 | BD1211 | BD1212 | BD1213 | BD1214 | BD1215 | BD1216 | BD1217 | BD1218 | BD1219 | BD1220 | BD1221 | BD1222 | BD1223 | BD1224 | BD1225 | BD1226 | BD1227 | BD1228 | BD1229 | BD1230 | BD1231 | BD1232 | BD1233 | BD1234 | BD1235 | BD1236 | BD1237 | BD1238 | BD1239 | BD1240 | BD1241 | BD1242 | BD1243 | BD1244 | BD1245 | BD1246 | BD1247 | BD1248 | BD1249 | BD1250 | BD1251 | BD1252 | BD1253 | BD1254 | BD1255 | BD1256 | BD1257 | BD1258 | BD1259 | BD1260 | BD1261 | BD1262 | BD1263 | BD1264 | BD1265 | BD1266 | BD1267 | BD1268 | BD1269 | BD1270 | BD1271 | BD1272 | BD1273 | BD1274 | BD1275 | BD1276 | BD1277 | BD1278 | BD1279 | BD1280 | BD1281 | BD1282 | BD1283 | BD1284 | BD1285 | BD1286 | BD1287 | BD1288 | BD1289 | BD1290 | BD1291 | BD1292 | BD1293 | BD1294 | BD1295 | BD1296 | BD1297 | BD1298 | BD1299 | BD1300 | BD1301 | BD1302 | BD1303 | BD1304 | BD1305 | BD1306 | BD1307 | BD1308 | BD1309 | BD1310 | BD1311 | BD1312 | BD1313 | BD1314 | BD1315 | BD1316 | BD1317 | BD1318 | BD1319 | BD1320 | BD1321 | BD1322 | BD1323 |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|

6. Launch Sierra - get into "Create Lists" - select an empty review file large enough to hold your number of records. Click on the "Import Records" button. Name your review file. Then select item record store type.
7. Click the "Choose File" button - and select the text file you created in Step 4. Click "Import"... your review file will be completed very quickly.

NOTE: if your review file does not contain the same number of items as your original spreadsheet you may need to remove the checksum number from the item number before importing. This formula can be used in excel to remove the last digit of the contents of cell a1. Paste this formula in cell b1 and copy down in column b. Save the resulting text in column b and use it as your import data:

=LEFT(A1,LEN(A1)-1)



8. Export your list to Excel and **locate additional exceptions to your allocation**. Try sorting by status to find items that are Billed, Missing, Lost & Paid, or otherwise no longer available.
9. Report and remove the exceptions from your list.